कार्यालय – निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर

:: बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन कार्य योजना – 2019 ::

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, राजस्थान, बीकानेर के तत्वावधान में प्रदेश के राजकीय विद्यालयों में माध्यमिक कक्षाओं के बोर्ड परीक्षा परिणाम में संख्यात्मक एवं गुणात्मक सुधार हेतु विगत दो वर्षों में अभिनव कार्य योजना "प्रयास–2017" एवं "प्रयास–2018" क्रियान्वित की गई थी, जिसके अन्तर्गत कक्षा–10 में परीक्षा परिणाम को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करने वाले तीन अपेक्षाकृत कठिन विषयों गणित, अंग्रेजी तथा विज्ञान में विद्यार्थियों की समझ में अभिवृद्धि हेतु राज्य में विभिन्न स्थानों पर विषय विशेष की कार्यशालाएं आयोजित कर विशिष्ट शैक्षिक सामग्री का निर्माण किया गया था। निर्मित सामग्री का विशिष्ट लक्ष्य था, कक्षा–10 के अपेक्षाकृत कठिन माने जाने वाले तीनों पूर्वोल्लेखित विषयों की पाठ्य सामग्री को सरल तरीके एवं सुग्राह्यय शिक्षण विधा द्वारा विद्यार्थियों तक पहुंचाना, जिससे रटने की प्रवृत्ति से मुक्त होकर विद्यार्थी जटिल लगने वाली विषय वस्तु को आसानी से समझ सके और इस प्रकार अर्जित ज्ञान स्थाई हो सके।

विगत वर्ष कक्षा–10 के पाठ्यक्रम में परिवर्तन के दृष्टिगत उक्त तीनों विषयों के साथ ही शेष तीन विषयों – हिन्दी, सामाजिक विज्ञान एवं तृतीय भाषा (संस्कृत) से सम्बन्धित परीक्षोपयोगी शैक्षिक सामग्री एवं बोर्ड पैटर्न के अनुरूप मॉडल प्रश्न पत्र तैयार करवाए जाकर विद्यार्थी हितार्थ विभाग की आधिकारिक वेब–साईट तथा "शाला दर्पण पोर्टल" पर उपलब्ध करवाए गए थे तथा समस्त संस्था प्रधानों को उक्त सम्पूर्ण सामग्री की सहज उपलब्धता कक्षा–10 की बोर्ड परीक्षा में प्रविष्ट होने वाले समस्त विद्यार्थियों हेतु सुनिश्चित किए जाने के निर्देश प्रदान किए गए थे। उक्त समस्त कार्यवाही का समुचित प्रबोधन एवं पर्यवेक्षण हेतु अधीनस्थ अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया था।

उपर्युक्तानुसार परीक्षा परिणाम के परिष्कार हेतु सम्पादित नवाचार के प्रतिफल में विगत दोनों वर्षों में माध्यमिक परीक्षा के बोर्ड परीक्षा परिणाम में अनुकूल नतीजों का क्रम इस वर्ष कायम रखने हेतु समस्त संस्था प्रधानों द्वारा आगामी दो माह की समयावधि में उनके विद्यालय के माध्यमिक परीक्षा के बोर्ड परीक्षा परिणाम में संख्यात्मक वृद्धि के साथ ही गुणात्मक उन्नयन के लक्ष्य संधान हेतु अग्रानुसार कार्यवाही एवं कार्य योजना की क्रियान्विति सुनिश्चित की जानी है :–

1. **पाठ्यक्रम की पूर्णता** :– इस वर्ष माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की उच्च माध्यमिक परीक्षाएं 07 मार्च तथा माध्यमिक परीक्षाएं 14 मार्च, 2019 से प्रारम्भ होने जा रही है, जिनके समय विभाग चक्र भी बोर्ड द्वारा घोषित किए जा चुके हैं। विभागीय निर्देशानुसार बोर्ड परीक्षाओं का पाठ्यक्रम अर्द्धवार्षिक परीक्षा से पूर्व ही पूर्ण करवाया जाता है। उक्तानुरूप समस्त संस्था प्रधान बोर्ड कक्षाओं में समस्त विषयों का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के अवबोधन स्तरानुरूप अधिगम की सुनिश्चितता के मानदण्ड से पूर्ण करवाएंगे।
2. **अधिगम स्तर के अनुरूप कठिनाई निवारण** :– बोर्ड कक्षाओं में अपेक्षाकृत कठिन विषयों में विद्यार्थियों के अधिगम स्तर के अनुरूप चिह्नीकरण करते हुए काठिन्य बिन्दुओं के अनुसार उपचारात्मक शिक्षण की सार्थक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस हेतु विद्यालय समय में अथवा विद्यालय समय के उपरान्त समय प्रबन्धन करते हुए अतिरिक्त कक्षाओं का आयोजन आवश्यक रूप से किया जाए। अतिरिक्त कक्षाओं के आयोजन तथा उपचारात्मक शिक्षण की प्रभावी व्यवस्था से विद्यालय के बोर्ड परीक्षा परिणाम में निश्चय ही आशातीत सुधार परिलक्षित होगा। माध्यमिक कक्षा हेतु विभागीय वेब–साईट के लिंक (http://education.rajasthan.gov.in/content/raj/education/secondary-education/en/order/Secondary/Prayas-2017.html) पर उपलब्ध "प्रयास–2018" के तहत निर्मित विशिष्ट शैक्षिक सामग्री तथा मॉडल प्रश्न पत्रों के माध्यम से समस्त विषयाध्यापकों को विद्यार्थियों की अवबोधन (Understanding) क्षमता का विकास कर उनके अधिगम स्तर (Learning Level) में सुधार हेतु प्रभावी कार्यवाही के लिए पाबन्द किया जाना सुनिश्चित करें।
3. **पुनरावृत्ति एवं यूनिट टैस्ट** :– अर्द्ध वार्षिक परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन से प्रत्येक कक्षा में विषयाध्यापक द्वारा कमजोर अधिगम स्तर वाले विद्यार्थियों का चिह्नीकरण सुगमता से किया जा सकता है। उक्तानुरूप समस्त बोर्ड कक्षाओं में पुनरावृत्ति के साथ–साथ विषयाध्यापक द्वारा यूनिट टैस्ट के माध्यम से उपचारात्मक शिक्षण के उपरान्त विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित अधिगम लब्धि का मूल्यांकन भी सतत् रूप से किया जावे।

4. **प्री–बोर्ड परीक्षा का आयोजन** :– अतिरिक्त कक्षाओं एवं उपचारात्मक शिक्षण के उपागमों द्वारा प्राप्त शैक्षिक लब्धि का मूल्यांकन कार्य योजना के संलग्न प्रदर्शित समय–सारणी के अनुरूप माह फरवरी – 2019 के द्वितीय पखवाड़े में बोर्ड कक्षाओं हेतु बोर्ड पैटर्न पर आयोज्य प्री–बोर्ड परीक्षा द्वारा किया जा सकेगा। प्री–बोर्ड परीक्षा में अपेक्षानुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले विद्यार्थियों को उनके विषयवार काठिन्य (Weak Points) के आधार पर परीक्षा तैयारी अवकाश के दौरान विद्यालय में बुलाकर Supervised Study (सम्बन्धित विषयाध्यापक द्वारा विद्यार्थी को सम्मुख बैठाकर) के विशिष्ट उपायों द्वारा शैक्षिक उन्नयन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।
5. **संस्था प्रधान व विषयाध्यापक की भूमिका** :– परीक्षा परिणाम की गुणात्मकता में पाठ्यक्रम–अध्यापन के प्रभावी एवं सुग्राह्य होने तथा सम्बन्धित विषयाध्यापक की रूचि एवं लगन के साथ–साथ संस्था प्रधान के प्रभावी पर्यवेक्षण की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। परीक्षा परिणाम में संख्यात्मक सुधार की सुनिश्चितता उपरान्त अगला लक्ष्य गुणात्मक सुधार है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रत्येक विषय में अधिकाधिक अंक (More and More Marks) एवं उत्तम श्रेणी की प्राप्ति हेतु प्रोत्साहित करना है। उक्तानुसार तृतीय श्रेणी में संभावित छात्र द्वितीय श्रेणी, द्वितीय श्रेणी वाला प्रथम श्रेणी, प्रथम श्रेणी वाला विशेष योग्यता, विशेष योग्यता वाला 90% तथा विशिष्ट प्रतिभा सम्पन्न विद्यार्थियों का मेरिट की दिशा में कदम (Steps Towards Merit) उठ सके, इस उद्देश्य से वर्षः 2019 की बोर्ड परीक्षाओं में राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के प्रदर्शन में उत्तरोत्तर सुधार हेतु ''बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन कार्य योजना– 2019'' निर्देशित की गई है। यदि विषयाध्यापक तथा संस्था प्रधान द्वारा विद्यार्थियों की पहचान प्रभावी तरीके से की जाकर अतिरिक्त कक्षाओं/रेमेडियल क्लासेज के माध्यम से प्रभावी कार्यवाही की जाए, तो निश्चित रूप से बोर्ड/गृह परीक्षा परिणाम में सुधार के साथ–साथ विद्यार्थियों का विद्यालय के प्रति लगाव भी बढ़ेगा।
6. **अधीनस्थ कार्यालयों एवं परिवीक्षण अधिकारियों की भूमिका** :– ''बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन कार्य योजना– 2019'' के फील्ड में सार्थक एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु ब्लॉक, जिला एवं संभाग स्तरीय कार्यालयों द्वारा क्षेत्राधिकार में अग्रांकित विवरणानुसार प्रभावी पर्यवेक्षण एवं सघन निरीक्षण अभियान द्वारा उक्त कार्य योजना में अभीष्ट लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित की जाएगीः–

(i) ब्लॉक स्तरः– समस्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (CBEO) अपने कार्यालय में पदस्थापित अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी–द्वितीय (ACBEO-2) के माध्यम से ब्लॉक क्षेत्राधिकार के समस्त माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में ''बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन कार्य योजना–2019'' की आगामी 02 माह में समुचित एवं सतत् क्रियान्विति हेतु प्रभावी कार्य योजना निर्मित करेंगे। उक्त दोनों अधिकारियों द्वारा आवश्यकतानुसार विद्यालयों को पारस्परिक रूप से बांट कर बोर्ड परीक्षा प्रारम्भ होने से पूर्व क्षेत्राधिकार के समस्त विद्यालयों का सघन परिवीक्षण किया जाना सुनिश्चित करेंगे तथा इस दौरान विद्यालय स्टाफ एवं संस्था प्रधान को विद्यालय के बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु सार्थक एवं वांछित सम्बलन प्रदान करेंगे। उक्त कार्य योजना के क्रियान्वयन एवं सघन निरीक्षण अभियान से संबंधित पत्रावली का समुचित संधारण कार्यालय में आवश्यक रूप से करेंगे, जिससे कि उच्चाधिकारियों द्वारा उनके द्वारा निर्मित कार्य योजना की सार्थकता एवं प्रभाव का सटीक मूल्यांकन किया जा सके। CBEO/ACBEO-2 द्वारा निर्मित कार्य योजना एवं ब्लॉक क्षेत्राधिकार में दैनिक प्रगति की रिपोर्ट मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को प्रतिदिन प्रेषित की जाएगी।

(ii) जिला स्तरः– समस्त मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी (CDEO) कार्यालय में पदस्थापित सहायक निदेशक (AD) के माध्यम से जिला क्षेत्राधिकार में विगत वर्ष न्यून परीक्षा परिणाम वाले माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों का चिह्नीकरण कर उनमें ''बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन कार्य योजना– 2019'' की आगामी 02 माह में समुचित एवं सतत क्रियान्विति हेतु प्रभावी कार्य योजना निर्मित करेंगे। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी चिह्नित विद्यालयों का बोर्ड परीक्षा प्रारंभ होने से पूर्व सघन परिवीक्षण किया जाना सुनिश्चित करेंगे तथा इस दौरान विद्यालय स्टाफ एवं संस्था प्रधान को विद्यालय के बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु सार्थक एवं वांछित सम्बलन प्रदान करेंगे। सहायक निदेशक उक्त कार्य योजना हेतु कार्यालय में प्रभारी अधिकारी की भूमिका का निर्वहन करते हुए न्यून परीक्षा परिणाम वाले चिह्नित विद्यालयों में उक्त कार्य योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं सघन निरीक्षण अभियान से संबंधित पत्रावली का समुचित संधारण करेंगे, जिससे कि उच्चाधिकारियों द्वारा जिला परिक्षेत्र में उक्त कार्य योजना के संचालन का मूल्यांकन किया जा सके। CDEO/AD द्वारा

निर्मित कार्य योजना एवं जिला क्षेत्राधिकार की प्रगति रिपोर्ट संभागीय संयुक्त निदेशक को साप्ताहिक आधार पर प्रेषित की जाएगी।

(iii) संभाग स्तर :– समस्त संभागीय शिक्षा अधिकारी (Zonal JD) अपने शिक्षा संभाग क्षेत्राधिकार में "बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन कार्य योजना– 2019" की वास्तविक क्रियान्विति हेतु उत्तरदायी होंगे। उक्त कार्य योजना को परिणाममूलक बनाये जाने हेतु समस्त संभागीय संयुक्त निदेशक अपने कार्यालय में पदस्थापित दोनों अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारियों (ADEO) के माध्यम से आगामी 02 माह में संभाग क्षेत्राधिकार में बोर्ड परीक्षा परिणाम के परिप्रेक्ष्य में समस्यामूलक (विगत वर्षों में निरन्तर न्यून परीक्षा परिणाम से ग्रसित) विद्यालयों को चिह्नित कर उन विद्यालयों के वर्ष–2019 के बोर्ड परीक्षा परिणाम में समुचित सुधार सुनिश्चित किये जाने हेतु प्रभावी कार्य योजना निर्मित करेंगे। संयुक्त निदेशक द्वारा चिह्नित विद्यालयों का बोर्ड परीक्षा प्रारंभ होने से पूर्व सघन परिवीक्षण किया जाना सुनिश्चित किया जाएगा तथा वे इस दौरान विद्यालय स्टाफ एवं संस्था प्रधान को विद्यालय के बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु सार्थक एवं वांछित सम्बलन प्रदान करेंगे। संयुक्त निदेशक द्वारा उक्त कार्य योजना के दैनंदिन प्रबोधन (Daily Monitoring) हेतु कार्यालय में पदस्थापित दोनों अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारियों को आवश्यतानुसार प्रभारी अधिकारी की भूमिका निर्वहन हेतु पाबंद करेंगे। प्रभारी अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी न्यून परीक्षा परिणाम वाले चिह्नित समस्यामूलक विद्यालयों में उक्त कार्य योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं सघन निरीक्षण अभियान से संबंधित पत्रावली का समुचित संधारण करेंगे तथा उप निदेशक (माध्यमिक), कार्यालय हाजा को उक्त कार्य योजना के संचालन से संबंधित प्रगति रिपोर्ट पाक्षिक आधार पर भिजवाया जाना सुनिश्चित करेंगे।

7. कार्य योजना निष्पादन हेतु समय–सारिणी :–

क्र.सं.	सम्पादित की जाने वाली कार्यवाही का विवरण	निर्धारित तिथि/अवधि
1.	कार्य योजना की क्रियान्विति हेतु निर्धारित अवधि। इस दौरान विद्यालयों में कक्षा 10/12 के समस्त विद्यार्थियों के लिए आवश्यकतानुसार उपचारात्मक शिक्षण तथा गहन अध्यापन कार्यक्रम का नियमित संचालन किया जाए। साथ ही कक्षा 10 हेतु विभागीय वेब–साईट/शाला दर्पण पर उपलब्ध प्रयास–2018 के तहत निर्मित अध्ययन/शैक्षिक सामग्री का व्यापक उपयोग किया जाए।	16.01.19 से 13.03.19
2.	संस्था प्रधान एवं स्टाफ द्वारा कक्षा 10/12 के समस्त विद्यार्थियों की शैक्षिक लब्धि के सम्बन्ध में अभिभावकों को अवगत करवाना। बैठक में अभिभावकों को इस कार्य योजना बाबत् विस्तृत जानकारी दिया जाना तथा कार्य योजना की क्रियान्विति अवधि में कक्षा 10/12 की बोर्ड परीक्षा में प्रविष्ट होने वाले विद्यार्थियों की विद्यालय में शत–प्रतिशत उपस्थिति हेतु अभिभावकों को प्रेरित करना।	पारस्परिक वार्त्ता द्वारा एवं 26 जनवरी–2019 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोज्य समारोह/बैठक के दौरान।
3.	संस्था प्रधान वाक्पीठ के दौरान एक सत्र में उक्त कार्य योजना के सार्थक एवं प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में वार्ता/परिचर्चा का आयोजन एवं विगत वर्षों में संख्यात्मक एवं गुणात्मक रूप से उल्लेखनीय बोर्ड परीक्षा परिणाम हेतु चर्चित/बहु–प्रशंसित संस्था प्रधान/विषयाध्यापक के अनुभव/सुझाव/सक्सैस स्टोरी के रूप में समस्त संस्था प्रधानों से साझा किया जाकर उन्हें प्रेरित करना।	फरवरी– 2019 के तृतीय सप्ताह में आयोज्य।
4.	समस्त माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में बोर्ड पैटर्न पर प्री–बोर्ड परीक्षा का आयोजन ।	फरवरी– 2019 के द्वितीय पखवाड़े में।
5.	प्री–बोर्ड परीक्षा में विद्यार्थियों के प्रदर्शन एवं परिणाम के सम्बन्ध में प्रत्येक विद्यार्थी से व्यक्तिशः बातचीत कर उसके काठिन्य (Weak Points) से अवगत करवाना तथा इस हेतु विशेष प्रयास करने हेतु प्रेरित करना।	फरवरी– 2019 के अंतिम/मार्च– 2019 के प्रथम सप्ताह में।

6.	अभिभावक – अध्यापक परिषद् की माँ–शिक्षक बैठक (MTM) के दौरान बोर्ड परीक्षा में प्रविष्ट होने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों से उनके बच्चे की शैक्षिक स्थिति/लब्धि बाबत् विस्तृत विमर्श उपरान्त परीक्षा अवधि में सकारात्मक वातावरण/अभिप्रेरण हेतु अभिभावकों को मार्गदर्शन प्रदान करना।	06 मार्च–2019
7.	बोर्ड परीक्षा हेतु तैयारी अवकाश के दौरान प्री–बोर्ड परीक्षा में विद्यार्थियों के प्रदर्शन के मूल्यांकन पश्चात् विषयवार काठिन्य (Weak Points) के आधार पर विद्यार्थियों को विद्यालय में बुलाकर सुपरवाइज्ड स्टडी (संबंधित विषयाध्यापक द्वारा सम्मुख बैठा कर) करवाया जाना।	परीक्षा तैयारी अवकाश के दौरान (कुल अवधि 14 दिवस)

समस्त सम्बन्धितों द्वारा उपर्युक्त निर्देशों की पालना सर्वोच्च प्राथमिकता से सम्पन्न करवाई जानी सुनिश्चित की जावे।

(नथमल डिडेल)
आई.ए.एस.
निदेशक, माध्यमिक शिक्षा
राजस्थान, बीकानेर

क्रमांक : शिविरा–मा/माध्य/निप्र/डी–I/21901/पप/2019/182 दिनांक : 15.01.2019

प्रतिलिपि : निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. निजी सचिव, प्रमुख शासन सचिव, स्कूल शिक्षा एवं भाषा विभाग, राजस्थान, जयपुर।
2. आयुक्त,स्कूल शिक्षा एवं राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद सह विशिष्ट शासन सचिव, राजस्थान, जयपुर।
3. राज्य परियोजना निदेशक एवं अतिरिक्त आयुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर।
4. निदेशक, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्., उदयपुर।
5. समस्त संभागीय संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा।
6. समस्त मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा अभियान।
7. वरिष्ठ संपादक "शिविरा", प्रकाशन अनुभाग, कार्यालय हाजा को आगामी अंक में प्रकाशनार्थ।
8. सिस्टम एनालिस्ट, कम्प्यूटर अनुभाग, कार्यालय हाजा को विभागीय वेब–साईट पर अपलोड करने हेतु।
9. समस्त जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) – माध्यमिक।
10. समस्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एवं ब्लॉक संदर्भ केन्द्र प्रभारी, समग्र शिक्षा अभियान।
11. स्टाफ ऑफिसर, कार्यालय हाजा।
12. समस्त संस्था प्रधान, रामावि/राउमावि : जरिये शाला–दर्पण पोर्टल।
13. रक्षित पत्रावली।

उप निदेशक (माध्यमिक)
माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान
बीकानेर